भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 33
उत्तर देने की तारीख 07.12.2022

सीयूईटी बार-बार निरस्त होने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई और दाखिले में देरी

33#श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्ष 2022-23 हेतु केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए करवाए गए सीयूईटी के बार-बार निरस्त होने के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई और दाखिले में देरी का सामना करना पड़ा;
(ख) गत तीन वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय सहित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने की अंतिम तिथि क्या रही और इस वर्ष दाखिले में कितनी देरी हुई है;
(ग) क्या इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर कुप्रभाव पड़ने की बात विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है;
(घ) परीक्षा लगातार निरस्त होने के कारण कितने विद्यार्थियों ने निजी विश्वविद्यालयों में दाखिला लिया; और
(ङ) क्या सीयूईटी शुरू करने से विद्यार्थियों के स्नातक होने की लागत बढ़ी है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) से (ङ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसरण में, छात्रों, विश्वविद्यालयों और संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के दबाव को कम करने के लिए शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) आयोजित की गई। तदनुसार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने लगभग 14,90,293 उम्मीदवारों के लिए यह परीक्षा आयोजित की। इन उम्मीदवारों ने 90 विश्वविद्यालयों में विषयों के 54,555 विशेष संयोजन के लिए आवेदन किया। परीक्षा बड़े पैमाने की थी और छात्रों को तकनीकी और भू-जलवायु कारणों से कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और इन मामलों में परीक्षा को पुनर्निर्धारित किया गया। तथापि, समग्र प्रक्रिया का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कक्षाएं जल्दी शुरू हुईं। पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि इस प्रकार थी: 31.08.2019 (2019-20), 15.01.2021 (2020-21) और 31.12.2021 (2021-22)। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि सीयूईटी ने पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और इसके परिणामस्वरूप स्नातक की लागत में वृद्धि हुई है, बल्कि एक छात्र एक ही आवेदन से एक से अधिक विश्वविद्यालयों में

आवेदन करने में सक्षम हुआ है। इसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए पूर्व में लगने वाली आवश्यक लागत में कमी और प्रयासों की बचत हुई है। निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश संबंधी डाटा केंद्रीय स्तर पर नहीं रखे जाते है। शैक्षणिक समुदाय द्वारा उच्चतर शिक्षा में सफल कदम के रूप में सीयूईटी का स्वागत किया गया।

*****